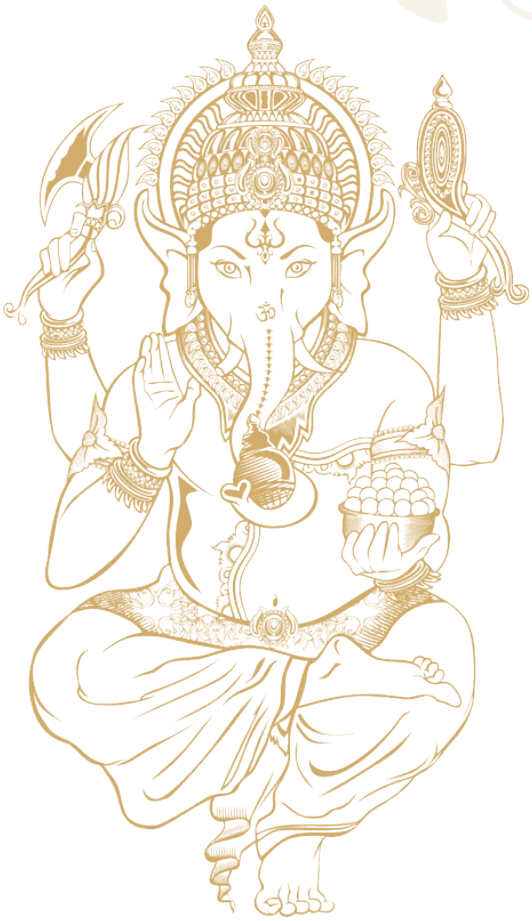

Mr.Ashvani

22 Apr 1963

04:00 AM

Amritsar

Model: Varshphal-2017

Order No: 119081701

तिथि 22/04/1963 **समय** 04:00:00 **वार** सोमवार **स्थान** Amritsar **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:20:23
अक्षांश 31:35:00 उत्तर **रेखांश** 74:56:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:30:16 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	17:26:50 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:01:21 घं	योनि	गौ
सूर्योदय	05:56:29 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:02:22 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2020	वश्य	जलचर
शक संवत	1885	वर्ग	सिंह
मास	वैशाख	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	13	जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
नक्षत्र	उ०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	रजत-लौह
योग	वैधृति	होरा	शनि
करण	वणिज	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 10मा 29दि
चन्द्र
21/03/2022
21/03/2032

चन्द्र	19/01/2023
मंगल	20/08/2023
राहु	18/02/2025
गुरु	20/06/2026
शनि	20/01/2028
बुध	20/06/2029
केतु	19/01/2030
शुक्र	20/09/2031
सूर्य	21/03/2032

योगिनी
भद्रिका 2वर्ष 4मा 4दि
पिंगला
26/08/2023
25/08/2025

पिंगला	06/10/2023
धान्या	05/12/2023
भ्रामरी	25/02/2024
भद्रिका	05/06/2024
उल्का	05/10/2024
सिद्धा	24/02/2025
संकटा	05/08/2025
मंगला	25/08/2025

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			24:23:12	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	---	0:00			
सूर्य			07:45:15	मेष	अश्विनी	3	केतु	गुरु	उच्च राशि	1.65	ज्ञाति	पितृ	विपत
चंद्र			10:24:40	मीन	उ०भाद्रपद	3	शनि	सूर्य	सम राशि	1.31	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			18:38:21	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	केतु	नीच राशि	1.36	भ्रातृ	भ्रातृ	सम्पत
बुध			27:15:57	मेष	कृतिका	1	सूर्य	सूर्य	सम राशि	0.98	अमात्य	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			10:49:42	मीन	उ०भाद्रपद	3	शनि	सूर्य	स्वराशि	0.87	मातृ	धन	जन्म
शुक्र			04:00:04	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	उच्च राशि	1.17	कलत्र	कलत्र	जन्म
शनि			28:20:08	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	स्वराशि	1.12	आत्मा	आयु	वध
राहु	व		01:07:26	कर्क	पुनर्वसु	4	गुरु	मंगल	शत्रु राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		01:07:26	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	राहु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

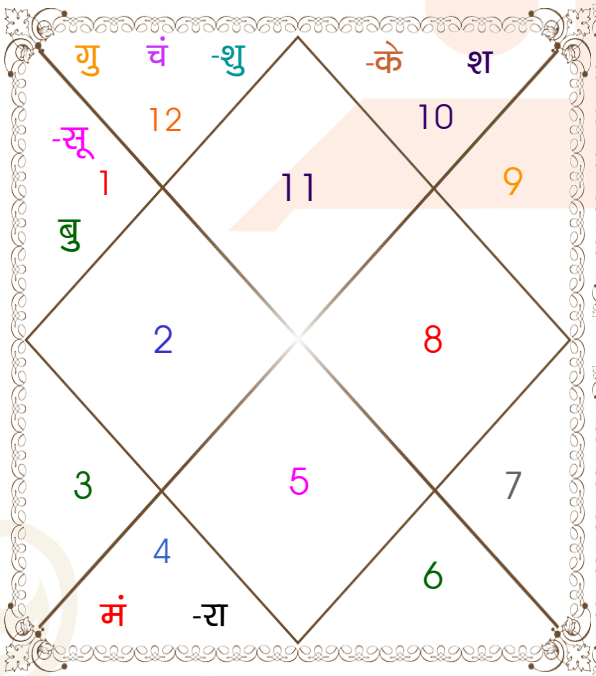

चन्द्र कुंडली

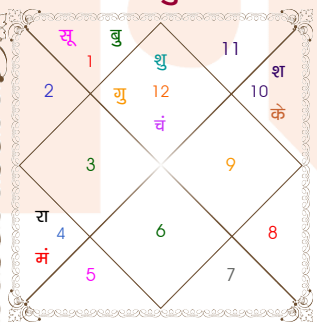

नवमांश कुंडली

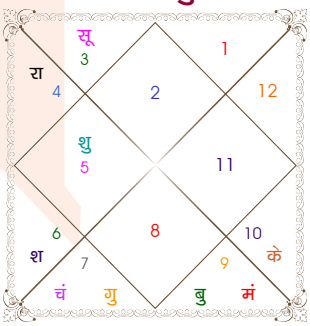

सर्वाष्टकवर्ग

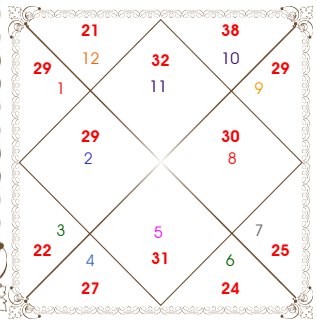

दशमांश कुंडली

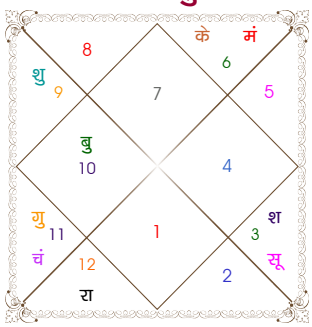

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे । साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा । साथ ही आप भी उनके लिए कल्याणकारी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे । इस समय आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा सांसारिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी सफल रहेंगे आनन्द पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी सुदृढ़ रहेंगी तथा आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी जिससे ऐश्वर्य से आप युक्त रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी प्राप्त होगा साथ ही किसी नवीन कार्य का प्रारंभ या पूर्व व्यापार में ही विस्तार की भी प्रबल संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस वर्ष आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा । समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की भी इस समय अभिवृद्धि होगी तथा लोगों से आपको यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। संतति पक्ष से इस वर्ष में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनकी ओर से आप निश्चिन्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करेंगे। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा आनन्दपूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अन्य वांछित द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से सुख एवं विलास में भी आप लिप्त रहेंगे तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका यथोचित सम्मान करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी प्रारंभ होगा। इस वर्ष में धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके साथ ही सांसारिक चिन्ताएं भी दूर होंगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। अतः समय का सदपुयोग करें ।

प्रथम मास

22/04/2025 05:01:12 से 22/05/2025 15:32:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	17:39:23
सूर्य		मेष	अश्विनी	07:53:15
चन्द्र		मकर	श्रवण	19:01:30
मंगल		कर्क	पुष्य	07:23:02
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	10:36:18
गुरु		वृष	मृगशिरा	25:23:59
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:54:23
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:41:24
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	02:39:13
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:39:13
मुंथा		मेष	भरणी	24:23:12

मासाधिपति

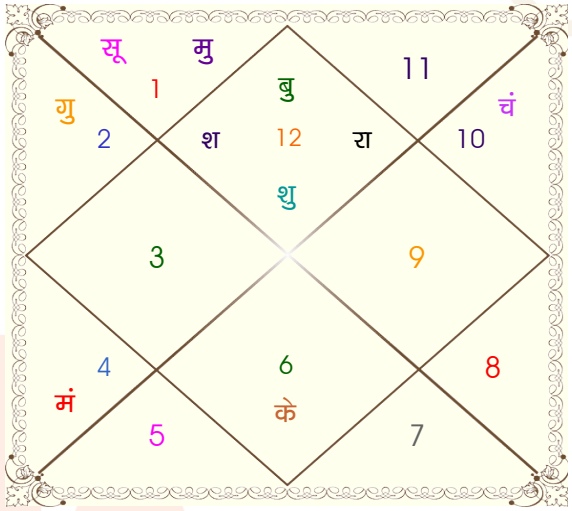

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण यश तथा मान प्राप्त होगा।साथ ही अपने समस्त बन्धुओं तथा मित्रों से आप पूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस समय उच्चाधिकरी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा मिष्ठान्न का अधिक मात्रा में उपभोग करने में रूचिशील रहेंगे।आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की उसमें वृद्धि होगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुखोपभोग में व्यतीत करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी आपसे पराजित होगे एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापार मेंभी आप लाभ अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे एवं बुद्धि में निर्मलता का भी समावेश होगा। इसके अतिरिक्त आप प्रचुर मात्रा में धनलाभ अर्जित करेंगे तथा सुखपूर्वक धर्मानुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

द्वितीय मास

22/05/2025 15:32:15 से 22/06/2025 02:03:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	19:21:09
सूर्य		वृष	कृतिका	07:21:24
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:00:16
मंगल		कर्क	आश्लेषा	21:49:50
बुध		मेष	कृतिका	28:08:22
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	01:39:55
शुक्र		मीन	रेवती	21:52:00
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:34:39
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:51:05
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:51:05
मुंथा		मेष	कृतिका	26:53:12

मासाधिपति

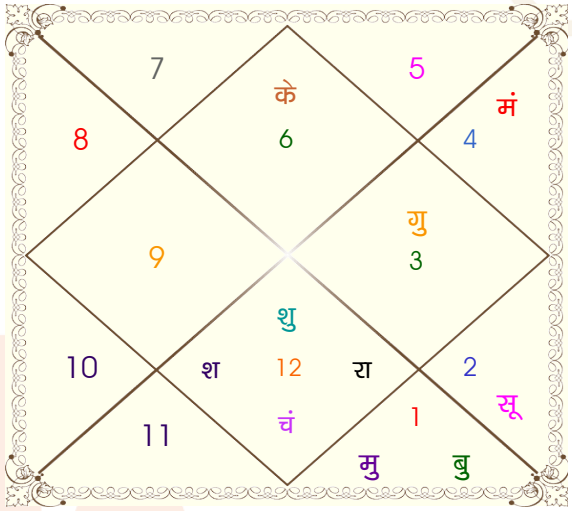

मासाधिपति : शुक्र

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

तृतीय मास

22/06/2025 02:03:18 से 22/07/2025 12:34:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	09:35:53
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	06:29:48
चन्द्र		मेष	भरणी	17:07:18
मंगल		सिंह	मघा	08:19:07
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	28:46:55
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	08:30:56
शुक्र		मेष	भरणी	21:55:30
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:20:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:56:23
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	27:56:23
मुंथा		मेष	कृतिका	29:23:12

मासाधिपति

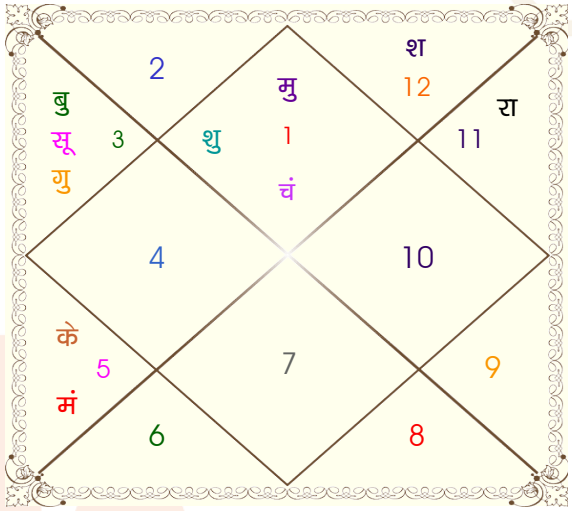

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चतुर्थ मास
22/07/2025 12:34:21 से 21/08/2025 23:05:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	02:35:42
सूर्य		कर्क	पुष्य	05:31:47
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	02:35:08
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:09:39
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	20:40:51
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	15:23:17
शुक्र		वृष	मृगशिरा	25:35:42
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:38:58
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:17:46
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:17:46
मुंथा		वृष	कृतिका	01:53:12

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

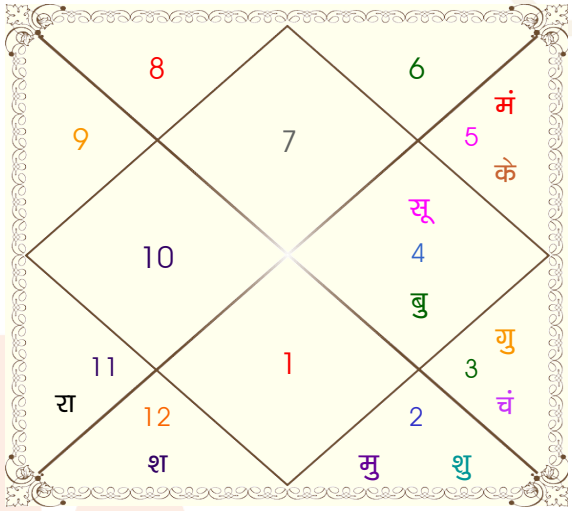

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पंचम् मास

21/08/2025 23:05:24 से 21/09/2025 09:36:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	29:12:34
सूर्य		सिंह	मघा	04:42:02
चन्द्र		कर्क	पुष्य	16:04:48
मंगल		कन्या	हस्त	15:05:09
बुध		कर्क	पुष्य	16:23:58
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:44:17
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:04:37
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:28:15
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:09:07
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:09:07
मुंथा		वृष	कृतिका	04:23:12

मासाधिपति

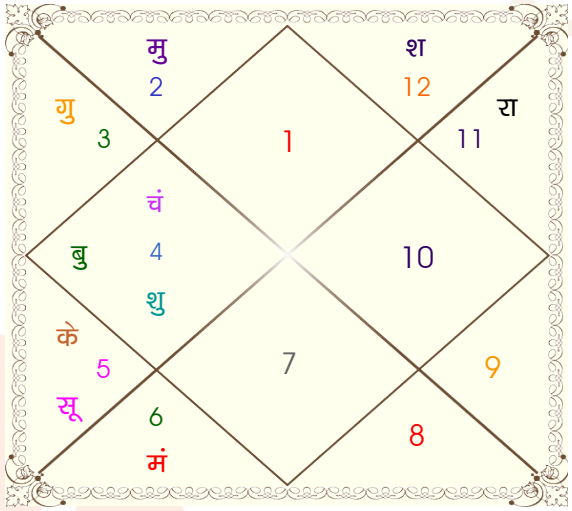

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

21/09/2025 09:36:27 से 21/10/2025 20:07:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	15:41:29
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:13:30
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:42:16
मंगल		तुला	चित्रा	05:00:19
बुध		कन्या	हस्त	10:38:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:56:13
शुक्र		सिंह	मघा	07:47:30
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:17:51
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:09:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:09:30
मुंथा		वृष	कृतिका	06:53:12

मासाधिपति

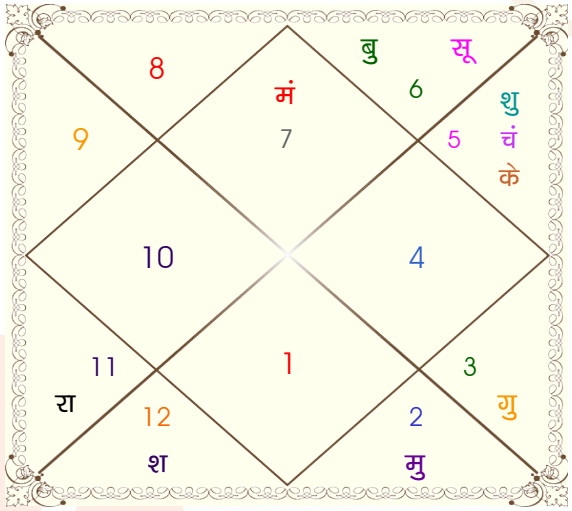

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

सप्तम् मास
21/10/2025 20:07:30 से 21/11/2025 06:38:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	16:23:35
सूर्य		तुला	चित्रा	04:14:17
चन्द्र		तुला	चित्रा	05:14:50
मंगल		तुला	विशाखा	25:53:52
बुध		तुला	विशाखा	26:40:19
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:12:55
शुक्र		कन्या	हस्त	15:22:52
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:07:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:35:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:35:19
मुंथा		वृष	कृतिका	09:23:12

मासाधिपति

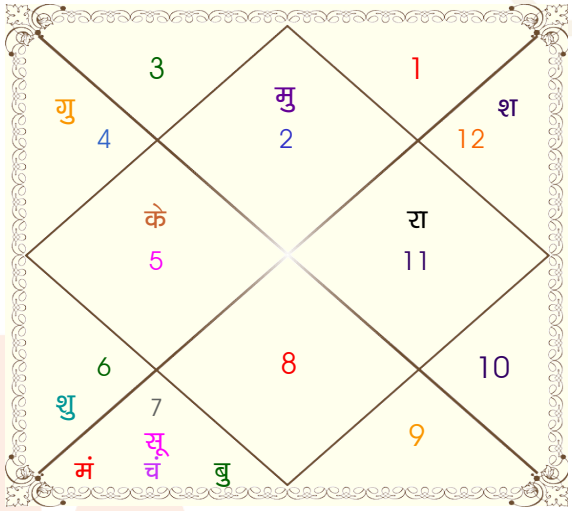

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

अष्टम् मास

21/11/2025 06:38:33 से 21/12/2025 17:09:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	28:40:44
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	04:45:05
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	13:03:31
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:44:18
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	03:11:59
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:47:12
शुक्र		तुला	विशाखा	23:28:14
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:59:00
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:02:09
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:02:09
मुंथा		वृष	रोहिणी	11:53:12

मासाधिपति

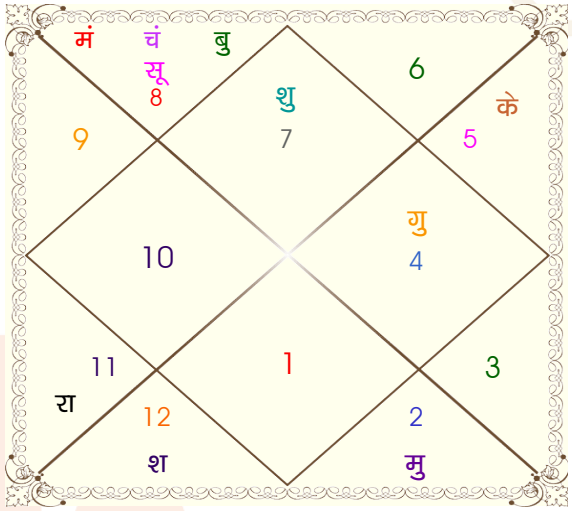

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

नवम् मास
21/12/2025 17:09:36 से 21/01/2026 03:40:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	01:41:16
सूर्य		धनु	मूल	05:38:06
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:20:43
मंगल		धनु	मूल	10:26:51
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:45:46
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:26:27
शुक्र		धनु	मूल	01:45:08
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:25:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:24:53
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:24:53
मुंथा		वृष	रोहिणी	14:23:12

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

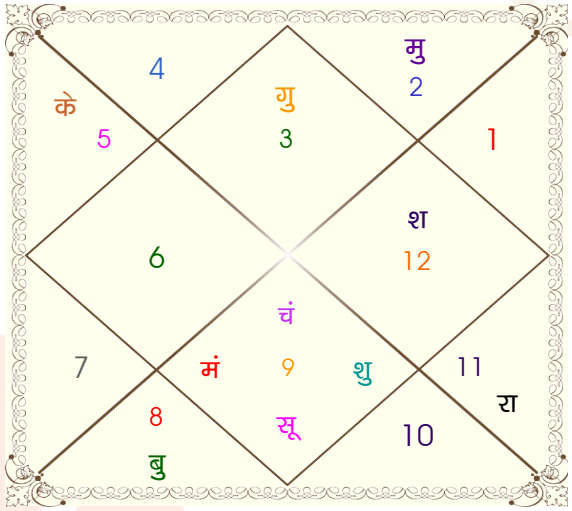

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

दशम् मास
21/01/2026 03:40:39 से 20/02/2026 14:11:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:41:58
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:38:38
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:07:17
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:51:34
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:09:36
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:28:48
शुक्र		मकर	श्रवण	10:02:39
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:23:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:08:19
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:19
मुंथा		वृष	रोहिणी	16:53:12

मासाधिपति

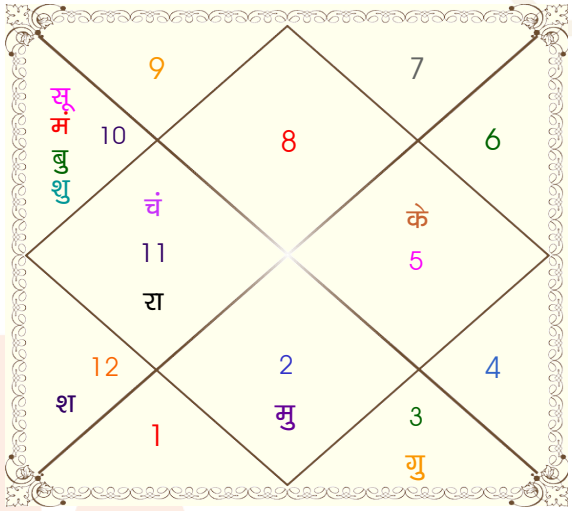

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे।अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

एकादश मास

20/02/2026 14:11:42 से 23/03/2026 00:42:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	15:44:13
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	07:29:32
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:15:10
मंगल		मकर	धनिष्ठा	27:42:52
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:32:34
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:26:13
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	18:12:26
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:29:23
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:43:42
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:42
मुंथा		वृष	रोहिणी	19:23:12

मासाधिपति

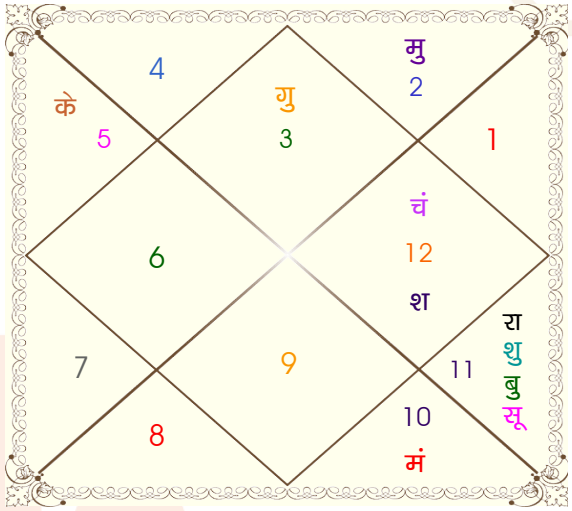

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

23/03/2026 00:42:45 से 22/04/2026 11:13:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:00:44
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	07:56:45
चन्द्र		मेष	कृतिका	27:52:36
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:40:53
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:27:21
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:04:55
शुक्र		मीन	रेवती	26:03:50
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:10:30
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:34:20
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:34:20
मुंथा		वृष	रोहिणी	21:53:12

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

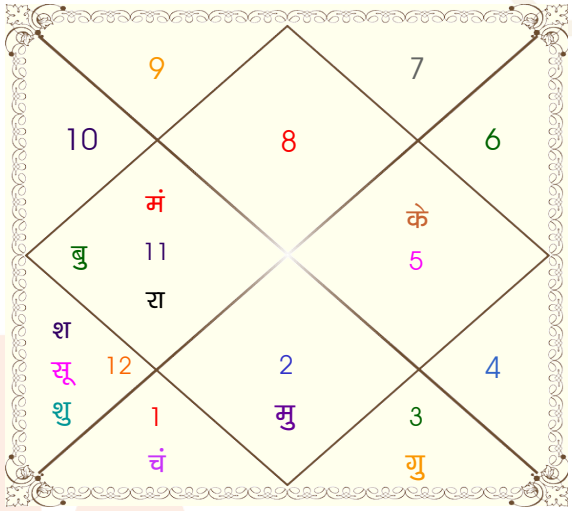

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु पक्ष भी आपसे बलवान रहेगा जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में सन्तुष्ट हो सकेंगे।